हरियाणा में लिंगानुपात में गिरावट

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के 22 में से 9 ज़िलों में जन्म के समय लिंगानुपात (SRB) में गिरावट दर्ज की गई है। हालाँकि राज्य का समग्र **जन्म के समय लिंगानुपात 916** पर स्थिर रहा (राष्ट्रीय SRB 933 है)।

- दूसरी ओर, गुड़गाँव में वर्ष 2022 में 925 से बढ़कर वर्ष 2023 में 928 हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तरी और मध्य ज़िलों जैसे कि **सिरसा, फतेहाबाद, सोनीपत, यमुनानगर, हिसार, भिवानी, रोहतक, जींद और चरखी दादरी** में जन्म लेने वाली लड़कियों की संख्या में गिरावट देखी गई।
- वर्ष 2011 की जनगणना के बाद से हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच का अंतर चिंता का कारण रहा है। राज्य का **जन्म के समय लिंगानुपात 834** है जो देश में सबसे कम है, जिसके कारण राज्य ने कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।
    - वर्ष 2015 में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिये केंद्र सरकार के सहयोग से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया गया था।
    - वर्ष 2015 में **जन्म के समय राज्य का लिंगानुपात 876 से बढ़कर वर्ष 2016 में 900** हो गया, इसके बाद वर्ष 2017 में 914 हो गया था।
    - वर्ष 2018 में यह वही रहा लेकिन 2019 में सुधरकर 923 हो गया।
    - उसके बाद, वर्ष 2020 में 922 से वर्ष 2021 में फिर से 914 तक गिरावट देखी गई।
    - वर्ष 2022में 916 पर थोड़ा सुधार दिखा, जो वर्ष 2023 में भी उसी अंक पर बना रहा।
- अधिकारियों के अनुसार **गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (PC-PNDT) अधिनियम, 1994** के तहत कुल 17 मामले दर्ज किये गए थे।
    - पिछले पाँच वर्षों में राज्य में लिंग परीक्षण करने वाले क्लीनिकों पर **लगभग 2,387 छापे मारे गए। इनमें से 487 छापे** दूसरे राज्यों में थे।
    - पूरे हरियाणा में **लिंग निर्धारण और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी किट** के इस्तेमाल के लिये कुल 1,376 **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** भी दर्ज की गईं।
- सरकार को PCPNDT एक्ट को और मज़बूत करने की ज़रूरत है, साथ ही अवैध गर्भपात के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करनी चाहिये।
- जागरूकता अभियान चलाना ज़रूरी है। ऐसे **कार्यक्रमों का संचालन करना एवं नियमित अंतराल पर हुई प्रगति की निगरानी करना महत्त्वपूर्ण** हैं।

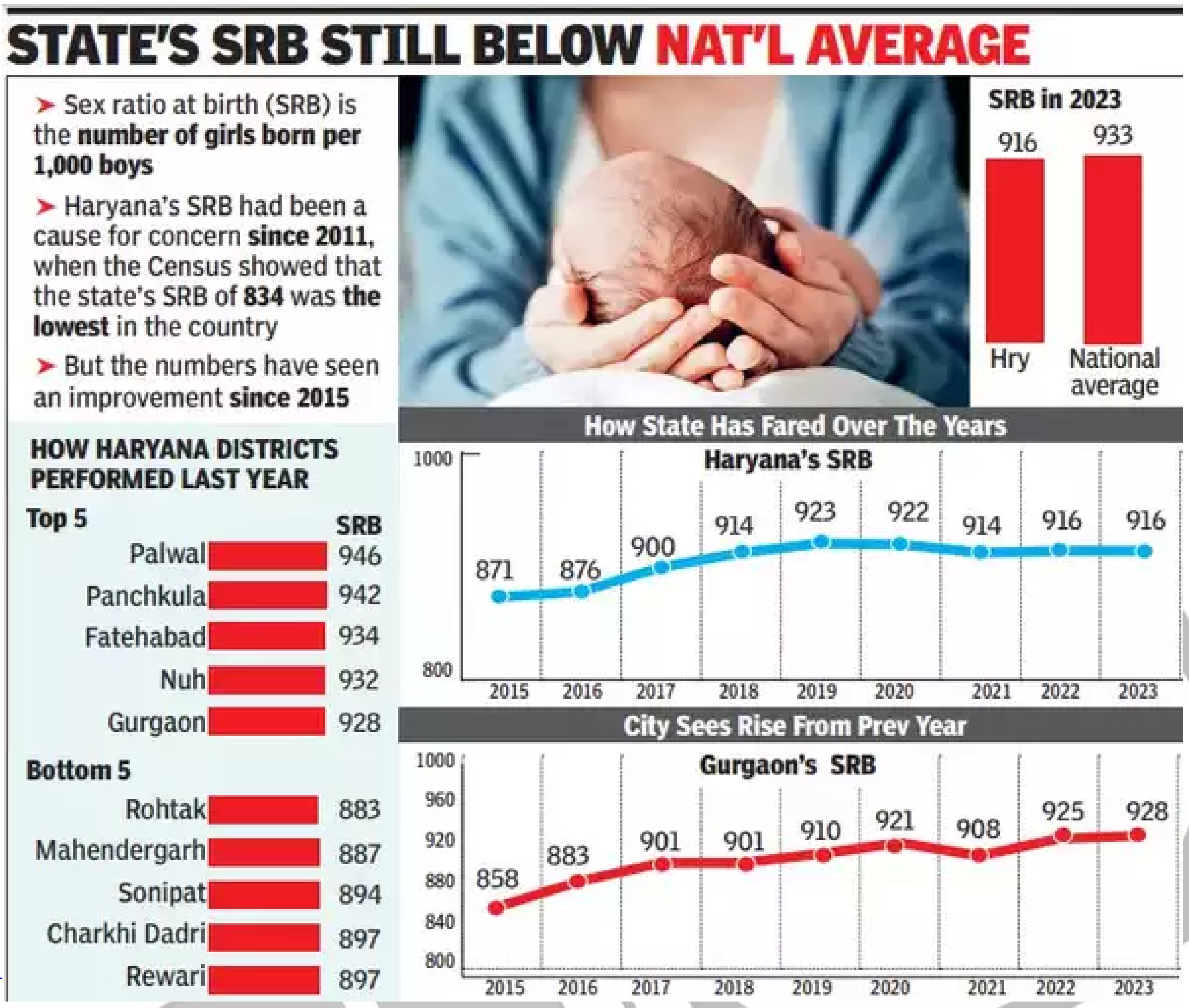

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/drop-in-sex-ratio-in-haryana